निस्केयर
NISCAIR

विज्ञान प्रगति

प्रमुख सम्पादक
दीक्षा बिष्ट

सम्पादक
बालक राम

प्रोडक्शन अधिकारी
सुप्रिया गुप्ता
एस. पी. सिंह

कला अधिकारी
नीरू विजन

कम्पोज़िंग
मीरा देवी

वरिष्ठ बिक्री एवं वितरण अधिकारी
लोकेश कुमार चोपड़ा

आवरण
नीरू विजन

अभी हाल ही में मुझे अमेरिका जाने का अवसर मिला। एप्पल स्टोर से मैंने आई फोन खरीदा जिसकी पेमेंट मेरे बेटे ने की। ये क्या? न कोई क्रेडिट कार्ड दिया न कैश, बस फोन आगे किया और पेमेंट हो गई। हम स्टोर से बाहर आ गये पर मेरे लिये जानना जरूरी था कि आखिर ऐसा हुआ कैसे, तब पता चला कि ऐसा संभव हुआ 'पासबुक' नामक ऐप के कारण, जिसमें क्रेडिट कार्ड की फोटो खींच कर उसमें 'सेव' करने से डेटा सेव हो जाता है। जिसके वेरीफिकेशन के बाद सम्बन्धित बैंक ट्रांजेक्शन के लिये अनुमति दे देता है जैसे ही आप पेमेंट मशीन की ओर फोन ऑन करके पास ले जायेंगे तो पेमेंट सक्सेफुल का मैसेज आप के फोन पर आ जायेगा। यही कहलाता है ई-पेमेंट यानी डिजिटाइज्ड पेमेंट। आज के सूचना प्रौद्योगिकी युग में यद्यपि ऑनलाइन सुविधायें आरंभ हो चुकी हैं पर 1 जुलाई 2015 को माननीय प्रधानमंत्री जी ने जो महत्वाकांक्षी परियोजना 'डिजिटल इंडिया' का शुभारंभ किया है उससे देश का आम नागरिक तकनीक से जुड़ पायेगा। इससे हर क्षेत्र में 'डिजिटल क्रांति' आयेगी। चाहे स्वास्थ्य हो, शिक्षा हो या आम नागरिकों के महत्वपूर्ण विश्वसनीय दस्तावेज हर कोई उन्हें डिजिटाइज्ड रूप में सहेज कर रख पायेगा। इसलिए इस परियोजना के तहत ई-बस्ता, ई-हॉस्पिटल और डिजिटल लॉकर्स की शुरुआत की गई है जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर कभी भी कहीं से भी प्राप्त करने की सुविधा होगी।

'ई बस्ता' नामक ऑनलाइन पोर्टल के ऐप को अपने मोबाइल टैबलेट में डाउनलोड करके कक्षा 1 से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं तक के विद्यार्थी पढ़ाई की सामग्री का भरपूर लाभ उठा सकते हैं। वे आपस में चर्चा तक कर सकते हैं। डिजिटल लॉकर की सुविधा से आम नागरिक अपने महत्वपूर्ण दस्तावेजों यथा पैनकार्ड, पासपोर्ट, पढ़ाई की डिग्री, मार्कशीट, प्रमाण-पत्र को ऑन लाइन स्टोर कर सकते हैं जिन्हें वे ऑनलाइन होने के कारण आवश्यकता पड़ने पर कहीं भी प्राप्त कर सकते हैं। इस पेपरलैस तकनीक से पेपर वर्क तो कम होता ही है साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थी इन्हें आसानी से कहीं भी ले जा सकते हैं।

'नेशनल स्कालरशिप' नामक अम्ब्रेला पोर्टल के माध्यम से छात्र हर प्रकार के स्कालरशिप की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और इस पोर्टल के होने से उन्हें स्कालरशिप पाने के लिए इधर-उधर भागदौड़ भी नहीं करनी पड़ेगी। इस पोर्टल की सबसे बड़ी बात यह है कि केन्द्र और राज्य सरकार की तरफ से दी जाने वाली छात्रवृत्तियां निष्पक्ष रूप से ऑनलाइन घोषित की जायेंगी। 'ई-हॉस्पिटल' स्वास्थ्य सम्बन्धी ऑन लाइन सुविधा, ये डॉक्टर से अपॉइंटमैंट तो दिलवायेगी ही, साथ ही उनके स्वास्थ्य की सारी हिस्ट्री भी इसमें उन्हें अपने एकाउंट में लॉग-इन करने पर मिल जायेगी। यद्यपि आज भी कई बड़े अस्पतालों ने यह सुविधा मुहैया कराई है पर अभी उसमें पूर्ण जानकारी उपलब्ध नहीं होती।

प्रधानमंत्री द्वारा लॉन्च किया गया यह डिजिटल इंडिया प्रोग्राम सरकार का 'फ्लैगशिप इनीशियेटिव है जिसका लाभ देश के हर नागरिक यहां तक कि दूर-दराज के इलाकों तक पहुंचेगा। आज अमेरिका जैसे विकसित देश में शीर्षस्थ आई टी कम्पनियों में सीईओ के पद पर श्री सत्या नाडेला और श्री सुन्दर पिचाई जैसी भारतीय प्रतिभाएं विराजमान हैं तो इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रधानमंत्री द्वारा लांच 'डिजिटल इंडिया' के विकास के लिए कितनी और प्रतिभाएं उभर कर आयेंगी इसका अनुमान लगाना आसान नहीं है।

डिजिटल क्रांति की बात हो और निस्केयर के योगदान की चर्चा न हो तो ये निस्केयर के साथ न्याय नहीं होगा। पिछले कई वर्षों से निस्केयर ने डिजिटाइजेशन में अभूतपूर्व योगदान दिया है। निस्केयर आधुनिक बुनियादी की सुविधाओं का उपयोग कर विज्ञान संचार, प्रचार-प्रसार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सूचना प्रबंधन प्रणाली और सेवाओं के क्षेत्र में वैज्ञानिक समाज की सेवा कर रहा है।

इसमें कोई संदेह नहीं आज भारत का हर युवा भी डिजिटल इंडिया का सपना देख रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति के दौर में वह दिन दूर नहीं जब वास्तव में सारी दुनिया अगले बड़े आइडिया के लिये भारत की तरफ देखने को बाध्य होगी।

मूल्य

एक अंक	:	30.00 रुपये
एक वर्ष	:	300.00 रुपये
दो वर्ष	:	570.00 रुपये
तीन वर्ष	:	810.00 रुपये
विदेशी वार्षिक सदस्यता	:	65$
शिकायत	:	011-25841647
ई-मेल	:	lkc@niscair.res.in

सम्पादकीय	: 011-25841769, 011-25846301, 04-07/370
प्रोडक्शन	: 011-25847353, 25846301, 04-07/217, 337
विज्ञापन	: 011-25843359
बिक्री	: 011-25841647, 25846301, 04-07/286, 289
फैक्स	: 011-25847062
ई-मेल	: vp@niscair.res.in
वेब साइट	: http://www.niscair.res.in

© राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान
लेखकों के कथनों ओर मतों के लिये सी.एस.आई.आर. -राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान, डॉ. के. एस. कृष्णन् मार्ग, नई दिल्ली - 110 012 उत्तरदायी नहीं है।
पत्रिका से संबंधित सभी विवाद दिल्ली न्यायालय द्वारा ही निपटाये जायेंगे।